

भारत के लिए ट्रंप सरकार की बड़ी राहत! अमेरिका के नियंत्रण में शुरु हो सकती है वेनेजुएला से तेल की खरीद

एजेंसी

दिल्ली। अमेरिका भारत को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने की इजाजत देने के लिए तैयार है, खासकर उसकी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए, तो जवाब साफ था। प्रशासन के अधिकारी ने पछे को बताया, प्हा.5 हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बारीक डिटेल्स पर अभी भी काम किया जा रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़े रणनीतिक बदलाव के संकेत देते हुए ट्रंप प्रशासन ने भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के संकेत दिए हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिका एक नए यूएस–नियंत्रित फ्रेमवर्क के तहत भारत को यह छूट देने के लिए तैयार है। इससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े तेल व्यापार के फिर से शुरु होने की संभावना बढ़ गई है। ट्रम्प प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह एक नए अमेरिकी–कंट्रोल्ड फ्रेमवर्क के तहत भारत को वेनेजुएला का तेल खरीदने की इजाजत देने के लिए तैयार है, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण जमे हुए व्यापार के आंशिक रूप से फिर से शुरु होने की संभावना बढ़ गई है। जब सीधे पूछा गया कि क्या अमेरिका भारत को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने की इजाजत देने के लिए तैयार है, खासकर उसकी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए, तो जवाब साफ था। प्रशासन के अधिकारी ने पछे



को बताया, हां, हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बारीक डिटेल्स पर अभी भी काम किया जा रहा है। अधिकांश अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का जिक्र किया, जिन्होंने कहा था कि वाशिंगटन लगभग सभी देशों को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार रहेगा। फॉक्स बिजनेस के साथ एक इंटरव्यू में, राइट ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल को फिर से बहने की इजाजत दे रहा है, लेकिन सिर्फ एक कड़े कंट्रोल वाले स्ट्रक्चर के तहत। उन्होंने कहा, प्तो उस तेल को, हम बहने की इजाजत दे रहे हैं। फिर से, इसे यूनाइटेड स्टेट्स सरकार द्वारा बेचा जाएगा। जिसमें वाशिंगटन पूरी तरह अमेरिकी प्रतिबंधों से पहले, भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े

ग्राहकों में से एक था, जो अपनी कॉम्प्लेक्स रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी कच्चा तेल खरीदता था। किसी भी नए एक्सेस से भारत को अपनी ऊर्जा आयात में विविधता लाने में मदद मिल सकती है क्योंकि मांग लगातार बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में एक एनर्जी कॉन्फ्रेंस में अलग से टिप्पणियों में, राइट ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स वर्तमान में स्टोरेज में रखे 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल वेनेजुएला के तेल को बेचने की योजना बना रहा है, जिसके बाद भविष्य के प्रोडक्शन से लगातार बिक्री होगी – यह एक ऐसा कदम है जो ग्लोबल तेल व्यापार के कुछ हिस्सों को फिर से बदल सकता है, जिसमें वाशिंगटन पूरी तरह से ड्राइवर की सीट पर होगा।कैसे काम करेगा यह

नया सिस्टम?अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट ने हाल ही में शर्फोक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में इस नई व्यवस्था का खुलासा किया।रु वित्तीय नियंत्रणरु तेल की बिक्री से होने वाला पैसा सीधे अमेरिका द्वारा नियंत्रित खातों में जाएगा, न कि सीधे वेनेजुएला की सरकार के पास। भंडारण की बिक्रीरु अमेरिका की योजना भंडारण में रखे 3 से 5 करोड़ बैरल वेनेजुएलाई तेल को बाजार में उतारने की है, जिसके बाद भविष्य के उत्पादन की बिक्री भी जारी रहेगी।

भारत के लिए क्यों है यह महत्वपूर्ण? प्रतिबंधों से पहले, भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक था। भारत की आधुनिक रिफाइनरियाँ वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को प्रोसेस करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई हैं।

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी त्रिवेणी संगम में लगाई आर्या की डुबकी, डही डमस की समीक्षा की

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर माघ मेले की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने लेटे हनुमान जी मंदिर में पूजा–अर्चना की और रामानंदाचार्य जयंती कार्यक्रम में सामाजिक एकता का संदेश दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे। उनकी यात्रा आध्यात्मिक गतिविधियों से भी भरी



रही, क्योंकि उन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। योगी आदित्यनाथ ने लेटे हनुमान जी मंदिर में भी पूजा–अर्चना की और मंदिर परिसर में गायों को चारा खिलाया। योगी आदित्यनाथ ने रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने सभी समुदायों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 700 वर्ष पूर्व, जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने सभी समुदायों में एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर की शरण लेने का अधिकार है। उन्होंने

समाज को एकजुट करने के लिए विभिन्न जातियों के शिष्यों को अपने साथ लिया।प्रयागपुर (उत्तर प्रदेश) का माघ मेला, जो पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है, भारत के सबसे बड़े तीर्थयात्राओं में से एक है। इस तीर्थयात्रा का नाम हिंदू महीने माघ के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर जनवरी–फरवरी में पड़ता है।

भ्रष्टाचार का अड़्डा बना मनरेगा: सिर्फ 8 महीने में करणन के 11 लाख से ज्यादा केस, 300 करोड़ से अधिक का घोटाला उजागर

विजडम इंडिया

कांग्रेस, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को लेकर भले ही हो–हल्ला मचा रही हो लेकिन

मामलों में ठेकेदारों या तीसरे पक्ष के जरिए काम कराया गया, जबकि अधिनियम में ठेकेदारों की स्पष्ट मनाही है। खरीद प्रक्रियाएं भी कमजोर पाई गईं, जहां एक ही सप्लायर या एक ही टेंडर की

आधारित निगरानी का एक माध्यम है, उसमें भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुईं। कुल 11,04,627 मामलों में वित्तीय गड़बड़ी की बात सामने आई, जिनमें लगभग 302.45 करोड़ रुपये की वसूली होनी थी। हालांकि,

कुछ व्यापक ढांचागत कमजोरियां भी सामने आईं। आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत मजबूत राज्यों में, जहां ग्रामीण गरीबी कम है, वहां मनरेगा फंड का उपयोग ज्यादा हो

प्राथमिकता देते हैं। नतीजतन तकनीकी रूप से कमजोर और कम समय तक टिकने वाली परिसंपत्तियां बनती हैं। कुल खर्च का लगभग 90 प्रतिशत केंद्र द्वारा वहन किए जाने से राज्यों की

दौसा जिले में 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त, एक व्यक्तिगिरफ्तार

एजेंसी

राजस्थान तलाशी में रॉयल चौलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की शराब की 1071 पेट्री कार्टन बरामद हुई। इस संबंध में बाड़मेर निवासी दिनेश जाट को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक व 60 हजार रुपये की नकदी जब्त की गई है। राजस्थान के दौसा जिले में पुलिस ने अवैध शराब का बड़ा जखीरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकांशों के अनुसार पकड़ी गई शराब की कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है।पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम एन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। एजीटीएफ और दौसा सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई



में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी में शराब का यह जखीरा बरामद किया गया। इस ट्रक में 415 चावल के कट्टे लदे थे और नीचे पंजाब मार्का शराब छिपाई हुई थी। तलाशी में रॉयल चौलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की

शराब की 1071 पेट्री कार्टन बरामद हुई। इस संबंध में बाड़मेर निवासी दिनेश जाट को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक व 60 हजार रुपये की नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध शराब हरियाणा, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की



सरकारी आंकड़े बताते हैं कि यह योजना किस तरीके से भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई थी। करीब दो दशक पहले लागू हुई इस योजना ने ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आजीविका की कानूनी गारंटी दी, लेकिन समय के साथ इसके क्रियान्वयन में कई ऐसी स्थायी और गहरी खामियां सामने आईं, जिनसे योजना की कार्यक्षमता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता प्रभावित हुई है।

25 राज्यों के 55 जिलों में भ्रष्टाचार का खुलासा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक जमीनी हालात के सही आकलन और व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2025–26 में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 55 जिलों में विशेष निगरानी दौरे किए गए। इस दौरान एक हजार से अधिक कार्यस्थलों की जांच की गई। जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इनमें ऐसे काम शामिल थे, जो कागजों में तो दिखाए गए लेकिन जमीन पर मौजूद नहीं थे। कई जगह नियमों के खिलाफ काम करए गए, वित्तीय गड़बड़ियां हुईं, धन का गलत इस्तेमाल किया गया और कामों को छोटे हिस्सों में बांटकर निचले स्तर से मंजूरी ली गई। कई

स्थिति आम होती जा रही है, जिससे पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है। कई फाइलों में रॉयल्टी भुगतान और जीएसटी से जुड़े दस्तावेज भी नहीं मिले, जो वित्तीय नियंत्रण की कमजोरी और संभावित धन–रिसाव की ओर इशारा करते हैं। फेक जाँब कार्ड और मस्टर रोल इन खामियों के साथ–साथ शासन और निगरानी से जुड़ी कमियां भी सामने आईं। कई जगह फर्जी और निष्क्रिय जाँब कार्ड, बड़ा–चढ़ाकर बनाई गई मस्टर रोल, अधूरे और खराब गुणवत्ता के काम तथा स्थानीय जरूरतों से मेल न खाने वाली परिसंपत्तियां पाई गईं। इन कमियों का कुल असर यह रहा कि एक ओर सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हुआ और दूसरी ओर योजना का परिसंपत्ति निर्माण का उद्देश्य कमजोर पड़ा। मंत्रालय द्वारा समय–समय पर जारी सलाह, प्रशिक्षण और सुधारात्मक निर्देशों से कुछ समस्याएं जरूर सुलझीं, लेकिन गड़बड़ियों का लगातार बने रहना बताता है कि यह समस्या अस्थायी नहीं बल्कि व्यवस्था से जुड़ी है।

भ्रष्टाचार के 11 लाख से ज्यादा मामले

सामाजिक अकेक्षण, जो समुदाय

अब तक केवल 293.47 करोड़ रुपये की ही वसूली हो सकी। आंतरिक ऑडिट की रिपोर्ट भी इन्हीं चिंताओं को मजबूत करती है। 1 दिसंबर 2025 तक सीसीए डिवीजन के आंतरिक ऑडिट से जुड़े 1,512 ऑडिट लंबित थे। इनमें से 145 मामले सीधे वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़े हैं, जिनमें धन का दुरुपयोग, बिना आधार के भुगतान, कामों की गलत मंजूरी और क्रियान्वयन, गैर–मान्य कार्यों पर खर्च तथा खातों में गड़बड़ी शामिल है। इन मामलों में अनुमानित वित्तीय प्रभाव करीब 278.32 करोड़ रुपये का है, जो वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही की गंभीर कमी को दर्शाता है।

बंगाल में सारे नियम रख दिए गए ताक पर

कुछ राज्यों में ये अनियमितताएं खास तौर पर गंभीर पाई गईं। पश्चिम बंगाल में हुई जांच में जमीन पर मौजूद न होने वाले काम, नियमों के खिलाफ गतिविधियां, वित्तीय हेराफेरी और जांच से बचने के लिए कामों का कृत्रिम विभाजन सामने आया। राज्य सरकार द्वारा प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई न किए जाने के कारण केंद्र सरकार को अस्थायी रूप से फंड जारी करना रोकना पड़ा, जिससे राज्य स्तर पर निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही की कमी उजागर हुई। भ्रष्टाचार से जुड़ी इन बातों के अलावा

रहा है। इसके उलट, ज्यादा गरीब राज्यों में उपलब्ध धन का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जिससे असमानता पैदा हो रही है। समय के साथ कई राज्यों में योजना की मांग–आधारित प्रकृति कमजोर हुई है और यह लक्ष्य–आधारित बन गई है, जहां ग्राम सभा की प्राथमिकताओं की बजाय लक्ष्य पूरे करने के लिए काम चुने जाते हैं। इससे समुदाय की भागीदारी और 'काम मांगने का अधिकार' कमजोर पड़ा है।

80 साल तक की बुजुर्गों को कागज पर दिया था काम एक और उभरता हुआ रुझान बुजुर्ग श्रमिकों की अधिक भागीदारी से जुड़ा है। इसका कारण 60 साल से अधिक, यहां तक कि 80 साल से ऊपर के लोग भी काम करते पाए गए, जिससे उत्पादकता और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। चूंकि मजदूरी का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाती है, इसलिए कई राज्य सामग्री पर कम खर्च करते हैं और ज्यादा मजदूर–आधारित कामों को

भागीदारी, निगरानी और वित्तीय अनुशासन भी कमजोर पड़ा है। 'विकसित भारत–जी राम जी' में भ्रष्टाचार पर नकेल का प्रावधान कुल मिलाकर, ये सभी बातें साफ तौर पर बताती हैं कि योजना की सामाजिक उपयोगिता के बावजूद पारदर्शिता, निगरानी, वित्तीय प्रबंधन, शासन और जवाबदेही में कमजोरियां अब व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी हैं। इन्हीं कारणों से ग्रामीण रोजगार के ढांचे में सुधार की आवश्यकता महसूस की गई, ताकि आजीविका सुरक्षा को मजबूत किया जा सके, शासन व्यवस्था सुधरे और बेहतर गुणवत्ता की परिसंपत्तियां बनाई जा सकें। साथ ही, ग्रामीण विकास को 'विकसित भारत' के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ना भी जरूरी था।

इसी संदर्भ में विकसित भारतकृ गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), VB&G RAM G, आधिनियम, 2025 लागू किया गया है। इसका उद्देश्य इन प्रणालीगत कमियों को दूर करना, जवाबदेही बहाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक धन वास्तव में टिकाऊ आजीविका और गुणवत्तापूर्ण ग्रामीण ढांचे के निर्माण में लगे।

बीबीए्यू में विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का मध्य शुभारम्भ, विकसित भारत 2047 के संकल्प पर हुआ व्यापक विमर्श

लखनऊ(आरएनएस) स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में १० जनवरी को विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह का मध्य शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एवं चाणक्य विश्वविद्यालय, बंगलोर के प्रो. के.वी. राजू रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बीबीएयू के पूर्व कुलपति प्रो. बी. हनुमैया तथा मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सलाहकार, शिक्षा, योजना आयोग, भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश कें द्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति और राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. फुरकान कमर उपस्थित रहे। मंच पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा एवं प्रो. कुशेंद्र मिश्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन के बाद कार्यक्रम के अंगे बढ़ाने की हुआ तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रारम्भ में कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रुरपरेखा की जानकारी दी। मंच संचालन डॉ. लता बाजपेयी सिंह द्वारा किया गया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल

ने कहा कि बीबीएयू की विकास यात्रा शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक निर्माण की एक सशक्त प्रक्रिया रही है, जिसमें विचारों ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विचार नवाचार को जन्म देते हैं, नवाचार से उच्च विकसित होते हैं और उद्यम से राष्ट्र निर्माण संभव होता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सशक्त होना आवश्यक है, क्योंकि देश की प्रगति केवल आर्थिक मजबूती से नहीं, बल्कि समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने संस्थागत विकास योजना को एक जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने वाली होनी चाहिए। साथ ही उन्हों ने रोजगारपरक शिक्षा, अप्रेंटिसशिप, उद्यमिता, कौशल आधारित सूक्ष्म पाठ्यक्रमों, तकनीक के प्रभावी उपयोग और मानसिक संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर लौटने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता रेखांकित की।मुख्य अतिथि प्रो. के.वी. राजू ने विश्वविद्यालय की 30 वर्षों की विकास यात्रा को उपलब्धियों से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि अब आने वाले 22 वर्षों के लिए विकसित भारत2०47 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट, दूरदर्शी और परिणाम आधारित लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। उन्होंने संस्थागत विकास योजना की

भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यही योजना विश्वविद्यालय की दिशा और प्रभाव तय करती है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण, कौशल आधारित उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रमों और वैश्विक मानकों पर विश्वविद्यालय के आकलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि बीबीएयू को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की पहली पसंद बनाने के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक और तकनीकी वातावरण विकसित करना होगा। साथ ही पब्लिकदृष्ट्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देकर संस्थागत विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।विशिष्ट अतिथि प्रो. बी. हनुमैया ने विश्वविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों से प्रारम्भ हुआ यह संस्थान आज आधुनिक आ्गारभूत संरचना, विविध पाठ्यक्रमों, गुणवत्ता युक्त शोध और नवाचार के साथ निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के समर्पित प्रयासों को दिया।मुख्य वक्ता प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि बीबीएयू की गुणवत्ता युक्त शिक्षा, सुदृढ़ ढांचा, उत्कृष्ट शोध और नैक ए सहित अन्य प्रतिष्ठित रैंकिंग्स विश्वविद्यालय की समृद्ध विकास यात्रा का प्रमाण हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने, समावेशी और न्यायसंगत नीतियों, शिक्षा में निवेश, 3थ्रू फंडिंग, फेकल्टी और फ्रीडमकृ

की आवश्यकता तथा आलोचनात्मक चिंतन आधारित ज्ञान पर विशेष ध्यान दिया।कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय मीडिया सेंटर द्वारा तैयार की गई एक प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विकास गाथा से संबंधित पुस्तिका और संस्थागत विकास योजना की बुकलेट का विमोचन भी किया गया। प्रो. कुशेंद्र मिश्रा द्वारा संस्थागत विकास योजना के प्रारूप की प्रस्तुति दी गई तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। अंत में प्रो. शूरा दारापुरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा १० से 12 जनवरी तक विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ११ जनवरी को 'विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि हेतु सामाजिक परिवर्तन का आह्वाण' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल करेंगे। संगोष्ठी में उच्च शिक्षा, सामाजिक न्याय, संस्कृति, पर्यावरण और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े विविध विषयों पर गहन और सार्थक विचार–विमर्श किया जाएगा।

शहर के सभी ज़ोनो में जलकल विभाग का व्यापक मरम्मत अभियान, पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की दिशा में तेज कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस)। नगर निगम के जलकल विभाग ने शनिवार को शहरवासियों को निर्बाध और सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी ज़ोनो में व्यापक स्तर पर पाइपलाइन मरम्मत और संबंधित तकनीकी कार्य कराए। नगर आयुक्त गौरव कुमार और जीएम जलकल कुलदीप सिंह के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में यह अभियान चलाया गया, जिसे जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।जलकल विभाग की अलग-अलग टीमों ने शहर के विभिन्न हिस्सो में पाइपलाइन लीकेज, क्षतिग्रस्त जललाइन, चोक सीवर, ओवरफ्लो टंकियों और अन्य तकनीकी समस्याओं को चिन्हित कर मौके पर ही त्वरित समाधान किया। ज़ोन-१ से लेकर ज़ोन-८ तक कई प्रमुख क्षेत्रों में मरम्मत और सुधार कार्य किए गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही जल आपूर्ति से जुड़ी परेशानियों से राहत मिली।ज़ोन-१

में योजना भवन के पास, कंधारी बाज़ार लालबाग, लापलाश कॉलोनी शिवनगर, वजीरगंज, मौलवीगंज और हरी नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन लीकेंज की मरम्मत और वाशिंग का कार्य किया गया। वहीं ज़ोन-२ में बड़ा इमामबाड़ा क्षेत्र, राजाजीपुरम सी-ब्लॉक, गुलमोहर कॉलोनी, गढ़ी कनौरा और श्रम विहार में लीकेंज सुध्ार के साथ-साथ करेहटा टंकी की सफाई कराई गई। इन इलाकों में लंबे समय से जलदबाव की समस्या बनी हुई थी, जिसे काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है।ज़ोन-३ में ज़ानकीपुरम विस्तार, ट्रॉमा सेंटर क्षेत्र सेक्टर-२ और ओएचटी सेक्टर-८, मडियांव गांव में नाले के पास चार स्थानों पर पाइपलाइन मरम्मत की गई। इसके साथ ही ज़ानकीपुरम सेक्टर-३, त्रिवेणी नगर और रहीम नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत के साथ नई लाइन बिछाने और टंकी सफाई का कार्य भी किया गया। विज्ञान पुरी और हार्नर क्षेत्र में ट्यूबवेल की मरम्मत

कर जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। ज़ोन-४ में विराज खंड-१, विकल्प खंड-३, विनीत खंड-३ और काट्विन कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में लीकेंज सुधार और कनेक्शन ठीक किए गए।ज़ोन-५ और ज़ोन-६ में भोला खंड, दुर्गापुरी, आशियाना नगर, विक्रम नगर, साजन मैरिज हॉल और साबिक निवास क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत, नई पाइपलाइन डालने और चोक लाइन खोलने जैसे कार्य पूरे किए गए। वहीं ज़ोन-७ में सेक्टर-१७, सेक्टर-९ इंदिरा नगर और विकास भवन के आसपास सीवर और जललाइन से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। ज़ोन-८ में रेल नगर आशियाना और हिंद नगर क्षेत्रों में लीकेंज मरम्मत के साथ स्टैंड पोस्ट लगाने जैसे आवश्यक कार्य किए गए।अधिकारियों के अनुसार सभी कार्य प्राथमिकता के आ्द पर समयबद्ध तरीके से पूरे किए गए, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो। जीएम जलकल कुलदीप सिंह ने बताया

कि नगर आयुक्त के निर्देशानुसार जलकल विभाग द्वारा शहर के सभी ज़ोनो में नियमित निरीक्षण कर जलापूर्ति और सीवर से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। जहां भी पाइपलाइन लीकेंज, जलदबाव में कमी या सीवर चोक होने की शिकायत मिलती है, वहां तुरंत टीम भेजकर कार्रवाई की जाती है। शनिवार को किया गया यह अभियान उसी क्रम का हिस्सा है और आगे भी यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और निर्बाध ापेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।जलकल विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी समस्या की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। जलकल विभाग के कंट्रोल रूम नंबर ८१७७०५४१००, ८१७७०५४००३ और ८१७७०५४०१० पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम के तहत कांग्रेस ने प्रदेशभर में शुरु किया जनआंदोलन, लखनऊ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने किया अभियान का आगाज

लखनऊ(आरएनएस)। मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरु किए गए ‘मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम’ के तहत शुक्रवार को पूरे प्रदेश में जिला कमटी और शहर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों ने एक साथ प्रेसवार्ता कर अभियान के प्रथम चरण की औपचारिक शुरुआत की। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अ्धक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर मनरेगा को कमजोर और समाप्त करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया।लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी वॉर रूम के प्रभारी संजय दीक्षित और स्टेट वॉर रूम के जोनल हेड राधेन्द्र उपाध्याय भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को ग्रामीण भारत के लिए जीवनरेखा बताते हुए इसे बचाने के लिए सड़कों से लेकर जनआंदोलन तक का रास्ता अनपनाने का एलान किया।प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू ने कहा कि महात्मा गांधी

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा कांग्रेस शासनकाल की सिर्फ एक



सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के करोड़ों गरीब परिवारों की जीवनरेखा है। यह योजना भूख, बेरोजगारी और मजबूरी में होने वाले पलायन के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच है। मनरेगा ने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को सम्मान के साथ काम करने का अधिकार दिया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद मनरेगा में ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य इस अधिकार आ्ध

ारित कानून को कमजोर करना और धीरे-धीरे खत्म करना है। भाजपा सरकार इसे कानून के

राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन शुरु करने का निर्णय लिया है। यह आंदोलन गांव, पंचायत और जिला स्तर तक ले जाया जाएगा ताकि ग्रामीण जनता को मनरेगा के महत्व और भाजपा सरकार की नीयत से अवगत कराया जा सके।उन्होंने कहा कि मनरेगा एक अधिकार आधारित कानून है, जो हर ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार मांगने का कानूनी अधिकार देता है। इस कानून के तहत राज्य सरकार की यह बाध्यता है कि १५ दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराए, अन्यथा बेरोजगारी भत्ता देना पड़े। यही वैधानिक गारंटी मनरेगा की आत्मा है, जिसे भाजपा सरकार खत्म करना चाहती है। कांग्रेस पार्टी इस अधिकार को बचाने के लिए पूरे देश में संघर्ष करेगी और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने बैनफाक्ट करेगी।कांग्रेस नेताओं ने साफ शब्दों में कहा कि मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण समाज के साथ सीधा अन्याय है। “मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम” के माध्यम से कांग्रेस पार्टी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और इस कानून को बचाने के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेगी।

मडियांव पुलिस ने अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार, आर्मस एक्ट में मुकदमा दर्ज

लखनऊ(आरएनएस)।

पुलिस कमिश्नर ने लखनऊ के उत्तरी ज़ोन अंतर्गत थाना मडियांव पुलिस टीम ने अवैध असलहा रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध पिस्टल ७.६५ बोर तथा चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जिनमें दो कारतूस ७.६५ बोर और दो कारतूस ९ एएमए बोर के हैं। इस कार्रवाई को अपराध की रोकथाम और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई ९ जनवरी २०२६ को की गई, जब थाना मडियांव की पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त, ज़ुर्म ज़रायम की रोकथाम, वाछित और वारंटी अभियुक्तों की तलाश तथा संधिध व्यक्ति

और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चौकी क्षेत्र रामराम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मडियांव पुल के नीचे एक व्यक्ति अवैध देशी पिस्टल के साथ खड़ा है और यदि तत्काल कार्रवाई की जाए तो उसे पकड़ा जा सकता है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और मुखबिर द्वारा बताए गए व्यक्ति को पकड़ लिया।पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मो. कामरान पुत्र मो. इमरान निवासी पंजाया, बिलाली मस्जिद के पास, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग २३ वर्ष बताई गई है और वह पेशे से कार मैकेनिक है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल ७.६५ बोर, दो जिंदा कारतूस ७.६५ बोर तथा

दो जिंदा कारतूस ९ एएमए बोर बरामद हुए। इसके बाद अभियुक्त को उसके द्वारा किए गए अपराध ा से अवगत कराते हुए आर्मस एक्ट की धारा ३६६ध्६२५ के तहत रात करीब २२५१० बजे हिरासत में ले लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी, निगरानी और बरामदगी की पूरी कार्रवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना मडियांव में मुकदमा संख्या १५६२०२६ धारा ३६६ध्६२५ आर्मस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।प्रारंभिक पूछताछ में

अभियुक्त ने अवैध पिस्टल शौक के लिए अपने पास रखने की बात कही है। हालांकि पुलिस इस बयान की गहनता से जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि अवैध असलहा उसे कहां से प्राप्त हुआ तथा इसका किसी अपराधिक घटना से कोई संबंध तो नहीं है। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों और जनपदों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस अधिाकारियों का कहना है कि अवैध ा असलहों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

वोटर लिस्ट में हेराफेरी की साजिश कर रही भाजपा सरकार अखिलेश यादव

लखानऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्ेय एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। शनिवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से पीडीए समाज के वोट काटने और अपने पक्ष में वोट बढ़ाने के निर्देश दे रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि एक अखबार में यह खबर प्रकाशित हुई है कि सरकार ने प्रत्येक बूथ पर २०० वोट बढ़ाने का निर्देश दिया है, जो न केवल लोकतंत्र बल्कि चुनाव आयोग की विश्वसनियता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि क्या यह कम्पना की जा सकती है कि कोई राजनीतिक दल वोट बढ़ाने के लिए प्रशासन को निर्देश देे। इसके लिए अलग-अलग जिलों में अधिाकारियों को भेजा जा रहा है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा कि ये अधिकारी कौन हैं और उनकी सूची कहां है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इस साजिश को रोकने के लिए अपने सभी बीएलए और बूथ प्रहरियों को एक विशेष प्रारूप उपलब्ध कराया है। जहां भी फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता बनते दिखाई देंगे, वहां तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि एफआईआर का पूरा प्रारूप तैयार कर दिया गया है, जिसमें केवल नाम भरकर शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और फर्जीवाड़े पर तुरंत कार्रवाई हो।उन्होंने कहा कि जब एसआईआर जैसी इतनी बड़ी प्रक्रिया चल रही है, तो मतदाता सूची में केवल वास्तविक मतदाताओं के नाम ही होने चाहिए। लेकिन स्थिति यह है कि राज्य निर्वाचन आयोग और केंद्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों में करोड़ों मतदाताओं का अंतर सामने आ रहा है, जबकि दोनों सूचियों तैयार करने वाले बीएलओ और अधिकारी वही हैं। अखिलेश यादव



ने सवाल उठाया कि जब मतदाता वही हैं और अधिकारी भी वही हैं, तो दोनों सूचियों में इतना बड़ा अंतर क्यों है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सही मतदाता सूची कौन सी है और यह अंतर आखिर किन कारणों से उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आयोग इन गंभीर सवालों का जवाब देगा।अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि आधार कार्ड को मेटल का बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा संभव न हो सके। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है कि १.९३ करोड़ मतदाताओं की मैपिंग हो रही है और उन्हें अब अनमैड कर दिया गया है। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर मामला बताते हुए कहा कि एक बार मैपिंग हो जाने के बाद लगभग दो करोड़ मतदाताओं को फिर से अनमैड किया जाना किसी एरर का परिणाम नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया कदम है। उनका आरोप था कि भाजपा जानबूझकर ऐसी गलतियां कराती है, ताकि आम लोग और विपक्ष उलझा रहे। उन्होंने कहा कि अब इन अनमैड मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस भेजकर जांच की जाएगी और इस प्रक्रिया में कुल लगभग तीन करोड़ मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहें हैं, जबकि पहले कहा गया था कि जिनकी मैपिंग हो चुकी है, उन्हें कोई नोटिस नहीं भेजी जाएगी।अखिलेश यादव ने यह भी सवाल उठाया कि मतदाता मैपिंग के लिए उपयोग में लाई जा रही एप किसकी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह बताना चाहिए कि यह एप किसने बनाई है और आयोग को तकनीकी

सहयोग कौन दे रहा है। उन्होंने मांग की कि विपक्ष को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि यदि यह एप किसी ऐसी कंपनी की है, जिसने जॉर्ज ओ इलेक्टोरल बॉन्ड के लिए चंदा दिया है, तो यह अत्यंत गंभीर मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भाजपा को चंदा देने वाली कंपनी ही मैपिंग और डेटा मैनेजमेंट का काम कर रही है, तो इसका सीधा अर्थ है कि लाखों वोट डिलीट कर विपक्ष को उलझाए रखने की साजिश की जा रही है।प्रेस कॉफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मुद्दों के आधार पर चुनाव नहीं जीत सकती, इसलिए वह प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चुनाव को प्रभावित करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यह भी सुनने में आ रहा है कि भाजपा की विचारध्ा ारा से जुड़े अधिकारियों को जिलों में सुनवाई के लिए तैनात किया गया है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि ऐसे अधिकारियों के नाम सार्वजनिक किए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पहले भी चुनावों के दौरान जाति के आधार पर अभिकारियों की तैनाती करती रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा दबाव बनाकर विपक्ष को वोट डिलीट करना चाहती है और पहले से मौजूद फर्जी, डबल और ट्रिपल वोटों को दोबारा जोड़ने की कोशिश कर रही है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी सभी बीएलए को एफआईआर दर्ज कराने का प्रारूप उपलब्ध करा रही है। अखिलेश यादव ने मांग की कि जिलों में मतदाताओं की सुनवाई राजनीतिक दलों के बीएलए की मौजूदगी में हो और सुनवाई के बाद लिए गए फैसलों की सूची नोटिस बोर्ड पर चरपा की जाए, ताकि मतदाता और सभी

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम ए.के. शर्मा

जौनपुर(आरएनएस)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधिात किया। उन्होंने इस नए अधिािनियम को ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण श्रमिकों, किसानों और मेहनतकश वर्ग के जीवन में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन आएगा।प्रेस वार्ता में ए.के. शर्मा ने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी को १०० दिनों से बढ़ाकर १२५ दिन कर दिया गया है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करने, ग्रामीण क्षेत्रों से होने

वाले पलायन को रोकने और स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम सरकार की ग्रामीण समाज के प्रति संवेदनशीलता और उनकी बेहतरी के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि बेरोजगारी भत्ता अब एक वास्तविक, प्रभावी और कानूनी अधिकार के रूप में सुनिश्चित किया गया है। पूर्ववर्ती महात्मा गाँधी नरेगा अधिनियम में अनेक जातिह शर्तों के कारण बेरोजगारी भत्ता प्राप्त कर पाना लगभग असंभव था, जबकि नए अधिनियम में सभी अनिवार्यक प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है। अब यदि किसी श्रमिक द्वारा कार्य की मांग किए जाने पर नि्धर्रित समययाधि में रोजगार उपलब्ध

ा नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ता स्वतः देय होगा।ए.के. शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। यदि किसी भी कारण से मजदूरी भुगतान में विलंब होता है, तो प्रत्येक विलंबित दिन के लिए निर्धारित मुआवजा मजदूरी के साथ श्रमिक को दिया जाएगा। इससे श्रमिकों के शोषण पर प्रभावी रोक लगेगी और उन्हें उनके परिश्रम का पूरा और समय पर प्रतिफल मिलेगा।प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत विकास कार्यों की योजना अब ग्राम स्तर पर ही तय की जाएगी। किसी भी योजना को ऊपर से थोपने की व्यवस्था नहीं होगी। ग्राम सभा के माध्यम से ग्राम पंचायत अपनी विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करेगी, जिसमें ग्रामीणों

की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य हो गी। इससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन संभव होगा और गांवों का समग्र, संतुलित और टिकाऊ विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने, रोजगार के अवसरों का विस्तार करने और सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त गांवों के निर्माण की दिशा में मील का पथर सिद्ध होगा।इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी, खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिश चंद्र यादव, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विधान परिषद सदस्य कृष्ण सिंह, प्रिंसु, जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मुख्य विकास अधिाकारी सहित अन्य संबधित अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा? समझिए इसके सियासी मायने

जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम–दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की र्शसजिश के खिलाफ लड़ाईश् वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर ५–१० सीटें बचा सकता है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव २०२६ के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ टृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय आई–पैक की नकेल कसने का जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में निश्चय किया है और अपनी सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई हैय केंद्र व

सम्पादकीय

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

ट्रंप ने जिस तरह मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे पर गलतबयानी की, वह सिर्रे से अस्वीकार्य होना चाहिए। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! इन्तल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म–प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच–झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार–बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिा को नियात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच–१बी वीजा और स्टूटेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है।हरितअंगेज ही है कि अपनी प्रतिष्ठा को लेकर अति संवेदनशील रहने वाली मोदी सरकार ने ट्रंप के हमलों पर चुप्पी साधे रखी है। मगर अब पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिर्रे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने ६८ हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने २८ हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया!

इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी की ट्रंप से कितनी गहरी व्यक्तिगत दोस्ती है, यह देशवासियों को नहीं मालूम। यह जानने में उनकी दिलचस्पी भी न्यूनतम है। मगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में विदेशी राजनेता द्वारा उनका हर अपमान भारत का अपमान बन जाता है। हर भारतवासी को इससे मतलब है। इसीलिए ये मांग प्रासंगिक है कि अब मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे।

आखिरकार २०२५ में श्रम अधिेश का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से २०वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि श्रम–अधिेश वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम–ग्रह ान निवेश से बचती रहीं।श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार २०२५ में सुधारा गया। अंततःश्रम सुधारों और वीबी–जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिेश को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करती है।

अन्य श्रम–अधिेश अर्थव्यवस्थाओं से सीख चलिए, उन देशों से शुरूआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती कृश्रम के अधिशेष का सामना किया। १९९० के दशक और २००० के शुरूआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्णतःमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए। भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतिपूर्ण और दुर्गमनों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम–प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया।शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाजारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने २९ श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है।ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारत–रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोजगार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान ६० दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और श्रम सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।श्रम सुधारक बिखराव से कार्यकुशलता की ओरलगभग १०० श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना कीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ िकता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब थाकृश्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे–मोटे रजिस्टर बनाना, अलग–अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाईयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत त्रुटि भी अपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है।

है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई–पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है। वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने हाटकर ही भाजपा रहेगी। यही दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद २०२६ बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र–राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने ७–८ जनवरी २०२६ को कोलकाता और दिल्ली में आई–पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के १० ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद हो छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बा्ा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस टोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफ दो मामले दर्ज किए। इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी

को शकेंद्र की साजिशश् का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉक्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है। इससे पुनः यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और लोकसभा चुनाव २०२४ की तरह ही एकजुट कर सकता है। क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र–विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

विश्व में लगभग साठ–सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत १९७५ में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। हर वर्ष १० जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित

चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के

विश्व हिन्दी-दिवस पर हिन्दी

जॉ. सुधीर सक्सेना निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल —ध्माधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रणेता भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने जब यह बात कही थी, तब वह सभ्यता और संस्कृति के मर्म को उद्घाटित क रहे थे। देश–दुनिया पर नजर डालें तो हम सहज ही समझ सकते हैं कि विदेशी या विजातीय भाषा किस तरह वैयक्तिक, सामूहिक और राष्ट्रीय विकास में अवरोध व विकार उत्पन्न करती है। वह असमान विकास, जातीय और भौगोलिक संघर्षों और अनेक विवादों को जन्म देती है। बहुधा वह भाषायी समूह या समूहों में हीनता बोध भी उत्पन्न करती है। १० जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस है। औपनिवेशिक काल में हिन्दी प्रवासी श्रमिकों या गिरमिटियों के जरिये अनेक देशों में पहुँच गई थी, लेकिन हिन्दी को वैश्विक पहल पर प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण और अपूर्व उपक्रम सन १९७५ में तब हुआ, जब मराठीभाषी साहित्यकार अनंत गोपाल शंवेड़े ने नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में दुनिया के तमाम देशों से लोग आये। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया था। लोटार लुथी और ओटोथाल स्मेकेल जैसे विद्वानों और अभिमन्यु अनंत जैसे लेखकों से मेरी मुलाकात वहीं हुई थी। बहरहाल, हिन्दी की महत्ता को तो बरसों पहले से सारे मनीषी बूझ रहे थे, किन्तु इस दिशा में सबसे ठोस और प्रभावी उपक्रम महात्मा गांधी ने किया वह सन १९१८ में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के उदघाटन के लिये इंदौर आये थे। उन्होंने हिन्दी के प्रचार–प्रसार की बात कही और समस्त भारतीय भाषाओं के लिए एक लिपि (देवनागरी) की अनिवार्यता की बात भी की। उनके शिष्य काका कलेलकर ने इस दिशा में काफी प्रयास किये। यह भारतीय भाषाओं

के प्रति अनुराग से उपजा साहस ही था कि स्वतंत्रता की बेला में जब बीबीसी का संवाददाता उनसे साक्षात्कार के लिये पहुँचा तो उन्होंने साहसपूर्वक दो टूक कहा कि जाओ, दुनिया से कह दो कि गांधी अंग्रेजी भूल गया। इस बात में शक नहीं कि हिन्दी वैश्विकता के सन्दर्भ में हमें एक नहीं अनेक गांधी चाहिये। हमें बहुत सारे गांधियों की आवश्यकता है। यदि हमें हिन्दी चाहिये तो हमें बहुत सारे गांधी चाहिए, जो सविनय – साग्रह देश–देशांतर में हिन्दी का विस्तार कर सकें। भाषा के विविध आयाम होते हैं। वह अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं है, वरन संस्कृति का सेतु, सम्पर्क साधन और अस्मिता का प्रतीक भी है। वैश्विक मंच पर वह किसी देश की पहचान भी है। गौर करें कि आज वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्थिति क्या है? विश्व के सर्वाधि ाक आबादी के देश की सर्वाधि ाक व्यवहृत भाषा यूएनओ में पैठ तो दूर, प्रवेश से वंचित है। विश्व हिन्दी सम्मेलन दुनियाभर के हिन्दी प्रेमियों के जमावड़े हैं, लेकिन वे योरोप, अफ्रीका अथवा लातिनी अमेरिका में हिन्दी के प्रति उत्सुकता जगाने में कमोबेश विफल रहे हैं। हिन्दी सिर्फ अकादेमिक संस्थाओं में पढ़ाये जाने तक सीमित है। सन ७० की पर्ववर्ती दहाई में लौटें तो बहुत कुछ स्वागतेय हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अक्टूबर सन १९७७ को संयुक्त राष्ट्र संघ में पहला भाषण दिया था और यह भाषण उन्होंने हिन्दी में दिया था। इसके बाद उन्होंने १० अक्टूबर और २४ सितंबर, १९९८ में यूएनओ में भाषण दिया। पहले दो भाषण उन्होंने बतौर विदेश मंत्री दिये और तीसरा भाषण उन्होंने बहैसियत प्रधानमंत्री दिया। गौरतलब है

है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा। हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा श्विकास अे भ्रष्टाचारश् पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊँचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी। क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं। सुलगाता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी–ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल २०२६ विाानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग ९०) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र–राज्य टकराव को तेज

कर टीएमसी को श्पीड़ितश् की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है। जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम–दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि एममता की र्शसजिश के खिलाफ लड़ाईश् वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर ५–१० सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरीध्मयन् वर्ग में असंतोष बढ़ेगा। जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके श्परिवर्तनश् एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासीधर्द्वद् बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो १०–१५ सीटों पर फायदा संभवय वोटर् लिस्ट^६ विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोश्चिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल

मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जेसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें



२९४ सीटों में यह विवाद २०–३० सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, ै६, बांग्लादेश तनाव) हावी हैं। सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित ९० विधानसभा सीटें कौन–कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी–ईडी विवाद से प्रभावित ९० विधानसभा सीटों में फैसला देता है, तो १०–१५ सीटों पर फायदा संभवय वोटर् लिस्ट^६ विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोश्चिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल

कोलकाता उपनगरीय इलाकों में हैं। ईडी विवाद इनमें टीएमसी को सहानुभूति दे सकता है, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार फोकस बढ़ाएगी। इस विवाद से प्रभावित होने वाली प्रमुख सीटें निम्नलिखित हैंरूप पहला, दक्षिण २४ परगना (३० सीटें)रूप बासिरहाट उत्तर, हरिपांडा, बस्ती हावड़ा दृ मुस्लिम बहुल, नाम हटने से ७.५: प्रभाव। दूसरा, उत्तर २४ ँ६ योजना से ५६ लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर् अंतर कम (५,००० से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। प्रभावित क्षेत्र यानी ९० सीटें मुख्यतः दक्षिण बंगाल (हावड़ा, हुगली), उत्तर बंगाल (कूचबिहार, जलपाईगुड़ी), और

धी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वामिान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। १९७७ में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत १९७५ में नागपुर में हुई

आज का राशिफल

मेष राशि– आज प्रमोशन होने का योग बन रहा है आज का दिन सार्थक रहेगा। आज आपका अधिकतर समय बच्चों के साथ बीतेगा। वृष राशि – आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होगी आज का दिन खुशनुमा रहेगा। बाहर के खुशनुमा मौसम का आनंद लेना आपके लिए काफी लाभदायक रहेगा। मिथुन राशि – अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है आज आपका का दिन नयी ऊर्जा से भरपूर रहेगा। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है।

कर्क राशि – किसी काम की शुरुआत करें सफलता मिलनी तय है आज का दिन सामान्य रहेगा। साथी को खुश करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं सिंह राशि – आज एक बड़ी डील मिल सकती है आज आपका दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको कई बड़े फायदे होंगे। कन्या राशि – जो भी फैसला करेंगे, वह आपके लिए फायदेमंद हो सकता है आज आपके मन में नए – नए विचार आएंगे। तुला राशि – वाहन खरीदने का भी मूड बना सकते हैं आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारियां भी पूरी हो सकती हैं। अपनी मिलनसार व्यवहार से आपको सफलता मिलने के योग हैं। वृश्चिक राशि – रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। धनु राशि – कार्य सफल होने से प्रसन्नता मिलेगी आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अनुभवी लोगों के साथ रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। मकर राशि – आपकी बौद्धिक क्षमता आज आपके सफलता जरूर दिलाएगी आज आपका दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आप जिस काम को करें उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। कुम्भ राशि – बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे आज के दिन आपका आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। इस राशि वाले लोगों को बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे। मीन राशि – आर्थिक स्थिति आज पहले से अच्छी रहेगी आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कर्म प्रधान बनेगा और आप अपनी ऊर्जा का भरपूर इस्तेमाल करेगे।

मॉडल ब्लॉक के रूप में विकसित करें बीडीओ : डीएम

-जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न घटकों में शत प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 57 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। इस पर जिलाधिाकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। भूमि संबंधी किसी भी विवाद की स्थिति में संबंधित उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर भूमि चिन्हांकन करते हुए कार्य प्रारंभ कराया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अन्नपूर्णा भवन ट्रक पहुंच कर पर स्थित हों। गौशालाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में कुल 301 गौशालाएं संचालित हैं। डीएम ने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जाएं तथा उनका कंट्रोल रूम मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में स्थापित किया जाए। जिससे प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के संबंध में किसी भी प्रकार की नकारात्मक सूचना नहीं आनी चाहिए। सभी गौशालाओं में भूसा, चारा, स्वच्छ पेयजल एवं ठंड से बचाव के लिए समुचित व्यवस्थाएं, शेड, तिरपाल एवं साफ सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की

जाए। बीमार पशुओं का तत्काल उपचार कराया जाए तथा पशु मृत्यु की स्थिति में दफन के लिए गौशाला परिसर में ही स्थान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों एवं एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही चरवाहों का मानदेय समय से भुगतान करने के निर्देश दिए गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि गौशालाओं में निर्माण अथवा अन्य कमियों के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराएं।मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन लाभार्थियों द्वारा गौवश लिया गया है उनकी प्रगति रिपोर्ट समय से प्रेषित की जाए तथा लाभार्थियों से फोटो भी प्राप्त किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि गौशालाओं के निरीक्षण हेतु निरीक्षण रजिस्टर संधारित किया जाए, जिसमें नोडल अधिकारी एवं पशु चिकित्सक के निरीक्षण की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से दर्ज हो। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि केवल पात्र लाभार्थियों को ही आवास उपलब्ध कराया जाए। सत्यापन प्रक्रिया पूर्णतः गुणवत्तापूर्ण हो। कोई भी अपात्र लाभ न प्राप्त कर सके। डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया कि टीएचआर खोह वलस्टर में समूहों के माध्यम से आने वाली सामग्री जैसे चना दाल, मूंगफली तेल आदि की खरीद स्वयं सहायता समूहों द्वारा ही की जाए। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित

किया कि प्रत्येक ब्लॉक से न्यूनतम 50 रोजगार सृजन सुनिश्चित किया जाए। स्वयं सहायता समूहों के पास उपलब्ध धनराशि का उपयोग रोजगार सृजन हेतु किया जाए। उद्भूत कार्य करने वाले समूहों को पुरस्-त किए जाने की घोषणा भी की गई। मनरेगा की समीक्षा में बताया गया कि 335 ग्राम पंचायतों में से मात्र 152 ग्राम पंचायतों में कार्य संचालित हैं। जिस पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिाकारी ने डीसी मनरेगा को निर्देशित किया कि जिन ग्राम पंचायतों में आधे हेक्टेयर के तालाब हैं उन्हें मनरेगा के अंतर्गत समाहित किया जाए। तहसीलवार ऐसे तालाबों की सूची तैयार कर संबंधित उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित किया जाए तथा तालाबों में सीढ़ियां एवं वृक्षारोपण भी कराया जाए। उन्होंने खंड विकास अधिाकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों की चक्ररोड चिन्हित कर उनकी आईडी बनाने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। मनरेगा के अंतर्गत उद्भू कार्य करने वाली इकाइयों को भी पुरस्-त किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 361१ शौचालयों का जियो टैग कर फोटो अपलोड कराया जाना है तथा 1498 शौचालयों का सत्यापन शेष है। जिलाधियों ने निर्देश दिए कि पंचायत सहायकों के माध्यम से शीघ्र सत्यापन कराया जाए। जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक नहीं हैं वहां 15 दिवस के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि

सामुदायिक शौचालयों में ताले बंद न रहें। ब्लॉकवार फोटोग्रास मंगवाकर व्हाट्सएप के माध्यम से नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। आरआरसी के संबंध में डीएम ने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायतों में रिक्षा क्रय किए गए हैं उनके संचालन के लिए स्वयं सहायता समूहों को भी जोड़ा जाए। आरआरसी का संचालन प्रभावी ढंग से कराया जाना अनिवार्य हैं। जिन एडीओ पंचायत द्वारा आरआरसी केंद्रों का बेहतर संचालन किया जा रहा है। उनके फोटोग्रास एवं विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। कायाकल्प योजना के अंतर्गत निर्देश दिए कि विद्यालयों में बाउंड्रीवाल एवं शौचालयों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, चाहे वह मनरेगा, 15वें वित्त आयोग अथवा किसी अन्य मद से हो, यह कार्य शत प्रतिशत पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम सभाओं में ग्राम निधि से कराए जा रहे कार्यों का विवरण तथा डीपीएम द्वारा किए गए भुगतानों की जानकारी ब्लॉकवार प्रस्तुत की जाए। प्रत्येक ब्लॉक के पिछले एक माह में किए गए शीर्ष पाँच भुगतानों की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजी जाए। एके ही मद में बार–बार भुगतान किए जाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिाकारियों को अपने–अपने ब्लॉकों में मॉडल ब्लॉक के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए तथा मार्च माह के अंत में सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक को पुरस्-त किए जाने की घोषणा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल सहित संबंधित विभागों के अधिाकारी उपस्थित रहे।

मड़कोर्रा गांव में निःशुल्क विशाल नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन -नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का सैकड़ों ग्रामीणों को मिला लाभ

चित्रकूट। भर्रकोर्रा गांव स्थित पांडेय उत्सव भवन में श्री मां सेवा संस्थान के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर द हंस फाउंडेशन, श्री सद्गुरु सेवा संघ द स्टूट, जानकीकुंड एवं विकास पथ सेवा संस्थान के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड की टीम द्वारा कुल 100 मरीजों की ओपीडी की गई। जिसमें 40 लोगों को निःशुल्क चश्मे, 50 लोगों को निःशुल्क दवाएं दी गई तथा 10 मरीजों को सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया।

जिनकी सर्जरी जानकीकुंड स्थित हॉस्पिटल में कराई जाएगी। शिविर में उमाशंकर शुक्ल, विनायक यादव, हिमांशु शुक्ला, ब्रजेश यादव चश्मा विभाग एवं दिलीप काउंडेशन का विशेष योगदान रहा। वहीं द हंस फाउंडेशन की टीम द्वारा डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में एक सैकड़ा से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। नवीन कुमार लैब टेक्नीशियन द्वारा ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर सहित लगभग 16 प्रकार की स्वास्थ्य जांचें की गईं। फार्मासिस्ट शैलेंद्र सिंह द्वारा सभी मरीजों को निःशुल्क दवाएं

वितरित की गईं। इस अवसर पर विकास पथ सेवा संस्थान अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि यह स्वास्थ्य शिविर एक संयुक्त प्रयास है। जिसके माध्द से जनपद के ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसे शिविरों से समय पर रोगों की पहचान संभव होती है और जनमानस को स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य रहने के लिए एक घंटे घर में योग भी करें तथा संतुलित और शुद्ध

भोजन करने का प्रयास करें। श्री मां सेवा संस्थान की प्रबंधक संजुला पांडेय ने सभी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि टीम द्वारा घर–घर संपर्क कर ग्रामीणों को शिविर से जोड़ा गया। ताकि कोई भी जरूरतमंद स्वास्थ्य लाभ से वंचित न रहे। संस्थान भविष्य में भी सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगातार आयोजित करने का प्रयास रहेगा। कार्यक्रम में संतोष कुमार पांडेय ग्राम प्रधान, भानुदत्त पांडेय, सुरेंद्र त्रिपाठी शिक्षक, मनोज सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गयी आयोजित,अवैध कट बंद होने के बाद यदि कोई व्यक्तिदोबारा अवैध कट बनाता है तो इसकी सूचना संबंधित थानों को तत्काल दें- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

आजमगढ(आर एन एस) जिलाधिाकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता मे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।पुर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में अब तक की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी लिया। जिसमें बताया गया कि ब्लैक स्पॉट का सर्वे कर लिया गया है तथा उस पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, अवैध कट को बंद करने की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है। स्कूली वाहनों के फिटनेस की जांच की जा रही है तथा वाहनों के किये गए चालान की वसूली की कार्यवाही की जा रही है।जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया कि सर्वे के दौरान नेशनल हाईवे पर कुल 48 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। नेशनल हाईवे के प्रतिनिधि 1 द्वारा बताया गया कि 14 ब्लैक स्पॉट पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए रंबल स्ट्रिप, साईनबोर्ड आदि लगा दिए गए हैं एवं स्पीड ब्रेकर बनाने की कार्यवाही की जा रही है। नेशनल हाईवे के

प्रतिनिधि ने बताया कि हाईवे पर चिह्नित किए गए पुलिया पर साईनैज लगा दिए गए हैं एवं पेन्ट भी कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने आरटीओ, पुलिस एवं पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम बनाकर उक्त कार्य का सत्यापन कराने का निर्देश दिया।जिलाधिाकारी महोदय को अवगत कराया गया कि नेशनल हाईवे वाराणसी पर 15 अवैध कट किए गए थे, सभी अवैध कट को बंद कर दिया गया है एवं ब्लैक स्पॉट पर साईनैज, रम्बल स्ट्रिप आदि लगा दिए गए हैं,जिलाधिकारी ने कहा कि ब्लैक स्पॉट की सूची संबंधित अधिकारी आपस में शेयर कर लें, जिसमें एंरुवलेंस का नंबर, क्रेन कटर वाहन चालक का नाम एवं मोबाइल नंबर, नेशनल हाईवे के पीडी का नाम एवं मोबाइल नंबर भी दर्ज हो। जिलाधिाकारी ने निर्देश दिया कि स्कूली वाहनों के फिटनेस की जांच करें, जांच में अनफिट पाए जाने पर उन्हें 15 दिन का समय दें, यदि वे वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं देते हैं तो उसका पंजीकरण निरस्त करें।वाहन चालानों के वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिन वाहनों का कई बार

चालान हो चुका है, उसका फिटनेस, प्रदूषण, ड्राइवर का लाइसेंस आदि चेक करें तथा ऐसी टॉप 10 वाहन जिनका बड़ा–बार चालान हुआ है, उसको खंड कर कार दिया जाए तथा इसकी सूचना समाचार पत्रों में भी प्रकाशित करायें।जिलाधिाकारी ने समस्त संबंधित अधिाकारियों को निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान आम जनमानस को सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिाकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाए। जिलाधिाकारी ने एआरटीओ (प्रवर्तन) को निर्देश दिया कि अभियान चलाकर सरकारी एवं निजी बस चालकों के आंखों की जांच करायें एवं आवश्यकतानुसार उनको चश्मे का वितरण एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाए।जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निर्देश दिया कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर लटक रहे पेड़ों एवं झाड़ियों की छटाई कराना सुनिश्चित करें।वरिष्ठ पुलिस अध

ीक्षक ने कहा कि अवैध कट बंद होने के बाद यदि कोई व्यक्ति दोबारा अवैध कट बनाता है तो इसकी सूचना संबंधित थानों को तत्काल दें। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक), एआरटीओ, एनएचएआई के अधिाकारी से कहा कि हाईवे पर अवैध कट बंद करने के साथ ही ऐसी जगह को भी चिन्हित किया जाए, जहां पर वर्तमान समय में कट्स बनाए जाने की आवश्यकता है, उसके संबंध में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाली पेट्रोलिंग गाड़ियों में पब्लिक एग्ज्रेस सिस्टम को सक्रिय किया जाए तथा उस पर जन सामान्य को सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक करने के लिए आवश्यक संदेश भी प्रसारित किया जाए।इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी प्रशासन राहुल विश्वकर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक, एआरटीओ प्रवर्तन श्री पीडल यादव, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एनएचएआई के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा को रोजगारोन्मुख, गुणवत्तापूर्ण तथा पारदर्शी बनाए : सभापति -चित्तकूट, बांदा, महोबा व हमीरपुर के अधिकारियों के साथ समति ने की बैठक

चित्रकूट। सभापति डॉ धमेन्द्र सिंह के सभापतित्व व विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, चन्द्र शर्मा, डॉ बाबूलाल तिवारी, मान सिंह यादव की उपस्थिति में चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर के साथ उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ‘शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति’ की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में डीएम पुलकित गर्ग, महोबा गजल भारद्वाज, बादा जे रीभा, हमीरपुर चंद्र मोहन गर्ग ने वि्धान परिषद सदस्य को पुष्प गुच्छ एक जनपद एक उत्पाद से बने मुर्ति एवं स्मृति विद्द देकर सम्मानित किया गया। बैठक में शिक्षा को रोजगारोपरक, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में वि्धान परिषद की जांच समिति की सक्रिय पहल की गयी। शिक्षा को रोजगारोन्मुख, गुणवत्तापूर्ण तथा पारदर्शी बनाए जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में नियमित रूप से समीक्षा की जा रही हैं। इसी क्रम में मण्डल बादा के सभी जनपदों में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, आईटीआई एवं अन्य

शिक्षण संस्थानों की कार्य प्रणाली की गहन समीक्षा की गई। सभापति ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान करे। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सकें।बैठक में कहा गया कि इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट एवं आईटीआई कॉलेजों में निर्धारित फीस, हॉस्टल एवं परिवहन शुल्क की पारदर्शिता के साथ व शासन के नियमानुसार ही फीस लिया जाए। छात्र छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था, दुर्घटनाओं की स्थिति में उपलब्ध िचिकित्सा सुविधा एवं फर्स्ट की एड बॉक्स की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाये। नरैनी पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुए आत्महत्या एवं सड़क दुर्घटना के शिकार सौरव व आशीष कुमार को उचित मुआवजा के लिए भी निर्देशित किया। सभापति ने कहा कि बिना मान्यता के संचालित शिक्षण संस्थानों, मदरसों एवं अद्वै ा शाखाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किया जाये। उन्होंने कहा कि कोई भी मदरसा बिना मान्यता

के नहीं चल सकते। उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारी को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के अंदर मदरसा का विधिवत जाँच कराकर समिति के समक्ष उपस्थित हो। सभापति ने सभी विद्यालय बसों की सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्थिति, परमिट एवं अन्य वैधानिक दस्तावेजों की जांच करने को निर्देशित किए उन्होंने कहा कि टैम्पू टेक्सी स्कूल में नहीं चलना चाहिए एवं यह भी कहा कि सभी विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन होना चाहिए यह सुनिश्चित कराएं। सभी जिला अधिाकारियों से कहा कि वारस्तविक गरीब का ही प्रमाण पत्र बनना चाहिए। कहा कि किसी अपात्र का नहीं बनें। जिलाधिकारी चित्रकूट से कहा कि जनपद में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं है। मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजें। इसमें समिति द्वारा सहयोग किया जाएगा। कहा कि परिक्रमा मार्ग पर साउंड की व्यवस्था अच्छी हो एवं मार्ग पर चिकित्सा स्वास्थ्य की सुविधाएं भी उपलब्ध होना चाहिए। छात्रवृत्ति वितरण की स्थिति तथा शिक्षण संस्थानों के कर्मचारियों को देय बीमा एवं अन्य वैधानिक लाभों का अनुपालन शत प्रतिशत होना चाहिए। आरसेटी महोबा के

प्रचार्य के बैठक में न उपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सभापति ने समीक्षा उपरांत संबंधिात अधिकारियों एवं विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते हुये कहा कि यह अपेक्षा की जाती है कि सभी शिक्षण संस्थान शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करेगे। कहा कि समिति का यह सतत प्रयास है कि शिक्षा प्रणाली को व्यावसायिक कौशल से जोड़ते हुए उसे एक सुव्यवस्थित, उत्तरदायी एवं बेध ढांचे में विकसित किया जाए। जिससे विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज का विश्वास शिक्षा व्यवस्था पर सुद्ध हो सके।इस अवसर पर मंडल के सभी जिलाधिकारियों द्वारा सभापति व सदस्य का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि समिति ने जो दिशा निर्देश दिए हैं उसका अक्षरशः अपनी टीम के साथ पालन किया जाएगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अनुसचिव सुनील कुमार, समीक्षा अधिकारी शलभ द्विवेदी, अपर निजी सचिव आशीष सिंह, प्रतिवेदक अभय सिंह सहित चारों जनपदों के संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

घायलों को सीएचसी न ले जाकर सीधे जिला अस्पताल पहुंचाए : सीएमओ

-माघ मेला के दृष्टिगत चिकित्सा अधिकारियों व एम्बुलेंस कर्मियों को सजग रहने के दिए निर्देश

चित्रकूट। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को सुद्ध किये जाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी द्वारा अपर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारियों तथा ब्लॉक चिकित्सा इकाईयों के अधीक्षकों को निर्देश दिये गये कि जनपद में माघ मेले की शुरुआत के प्ष्टिगत ६ ार्मिक नगरी चित्रकूट में आ रहे श्रद्धालुओं एवं सड़को में बढ रहे वाहनों के आवागमन के प्ष्टिगत प्रत्येक चिकित्सा इकाईयों में जनमानस को स्वास्थ्य सुविधाये

उपलब्ध कराये जाने के लिए मोबाइल टीम गठित करे तथा चिकित्सा इकाईयों में संचालित एम्बुलेंस समय से जनमानस को प्राप्त कराये जाने के लिए 102 एवं 108 एम्बुलेंस कम्पनी के कार्यक्रम प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों के क्रम में अब एम्बुलेंसकर्मी रोड एक्सीडेंट में घायल मरीज को सीएचसी में नहीं भर्त्तिक सीधे जिला चिकित्सालय लेकर जायेगें। आदेश का कडाई से अनुपालन

सुनिश्चित कराया जाये। जिससे मरीज को रेफर करने की प्रक्रिया और देरी से मिलने वाली एम्बुलेस सेवा एवं उपचार से राहत मिल सकेगी। आकस्मिक ड्यूटी में तैनात चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मियों को एलर्ट मोड रखे जाने के लिए जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से वार्ता कर निर्देश दिये गये कि चिकित्सालय में आये हुए मरीजो को बिना किसी भी वजह के रेफर नही किया जाये। उन्हें सही चिकित्सीय

परामर्श प्रदान करते हुए समुचित उपचार प्रदान किया जाये। उन्हीं मरीजो को उच्च चिकित्सालयों में संदर्भित किया जाये। जिन्हें वास्तव में विशेषज्ञ चिकित्सको के परामर्श की आवश्यकता है। शीत ऋतु के प्ष्टिगत भर्ती मरीजो के वार्ड में हीटर, कम्बल आदि की व्यवस्था दुरस्त कराये। ड्यूटी में तैनात चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉक को कार्य के प्रति सज्जन तथा मुख्यालय पर निवगित रूप से निवास करने के निर्देश दिए हैं।

एसपी ने परेड़ और पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड़ की सलामी लेकर परेड़ का निरीक्षण किया। परेड़ में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ,तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए। स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड़ की दौड़ करायी। प्रतिसार निरीक्षक को सुधार के लिए निर्देशित किया गया तथा परेड़ में शामिल अधिकारी, कर्मचारीगण को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा जाकर थानों से आयी समस्त चार, दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया गया। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, आरटीसी बैक, सीपीसी कैंटीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात कार्यालय यामीन अहमद, प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव, प्रभारी आरटीसी शिवमूर्त यादव, पीआरओ प्रदीप पाल व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुभाष चैलेंज कप : बनारस ने जीता महिला क्रिकेट टूर्नामेंट

चित्रकूट। सुभाष चैलेंज कप में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजित किया गया। जिसके प्रायोजक मोशू मोबाइल ने मैच का शुभारंभ मां सरस्वती व नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।फाइनल मैच के मुख्य अतिथि जीतेंद्र कुमार मैनेजर इंडियन गैस एजेंसी कर्मी, विशिष्ट अतिथि पवन बढी वार्ड मेयर, शुभम केशरवानी सभासद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच बनारस और कानपुर के बीच खेला गया। बनारस ने पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 20 ओवर के मैच में 7 विकेट खोकर 107 रन बनाए। बल्लेबाजी करने आई काजल 30 गेंद 29 रन और अदिति 19 गेंद 18 रन बनाए। गेंदबाजी करने आई डिंपी 4 ओवर 15 रन 2 विकेट और पूजा 4 ओवर 20 रन 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की टीम 18.3 ओवर में 10 विकेट खोकर 71 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बनारस ने इस मुक़ाबले को 36 रन से जीत लिया। काजल व्मेन ऑफ द मैच रही। विजेता टीम बनारस को 25 हजार रुपए नगद धनराशि और विजेता ट्राफी से पुरस्त्त किया गया और उपविजेता कानपुर की टीम को 20 हजार रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रजनीश पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार याज्ञिक, महिला क्रिकेट टूर्नामेंट प्रायोजक मोशू खान, प्रदीप मणि त्रिपाठी, सन्तो मौर्य, बसंत पटेल, विमल किशोर केसरवानी इत्यादि मौजूद रहे। ११ जनवरी को दिल्ली और कानपुर के बीच मैच खेला जाएगा।

पत्रकार के साथ पुलिस की अमद्रता, दरोगा पर कार्रवाई की मांग तेज

आजमगढ़(आर एन एस)जिले के रानी की सराय थाना क्षेत्र में एक बार फिर पुलिस द्वारा पत्रकार के साथ अमद्रता का गंभीर मामला सामने आया है। अवैध रूप से जमीन कब्जा किए जाने की सूचना पर खबर कवरेज के लिए पहुंचे एक पत्रकार के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी किए जाने का आरोप लगा है, जिससे जिले के पत्रकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पारफेक्ट मिशन अखबार के ब्यूरो चीफ शिव प्रकाश चतुर्वेदी को जमीन कब्जे की सूचना मिलने पर मौके पर बुलाया गया था।

जब वे घटनास्थल पर पहुंचकर वीडियो कवरेज कर रहे थे, तभी रानी की सराय थाने में तैनात दरोगा सुनील यादव ने कथित तौर पर उनका मोबाइल फोन छीन लिया और भदौ–भारी गालियां देते हुए ‘सारी पत्रकारिता निंकाल देने’ की धमकी दी। बताया जाता है कि मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बावजूद दरोगा लगातार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करता रहा।पीडित पत्रकार शिव प्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि उन्होंने तत्काल इस घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार को दी, लेकिन अब तक कोई ठोस

कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि रानी की सराय थाने के एसएचओ सुनील कुमार सिंह और एसएसआई सुनील कुमार यादव द्वारा भी उन्हें अपमानित किया गया।घटना से आहत होकर आज शिव प्रकाश चतुर्वेदी ने कई वरिष्ठ पत्रकारों के साथ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन केवल अश्वसन के अलावा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे पत्रकारों में नाराजगी और बढ़ गई है।पत्रकारों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस का यही रवैया जारी रहा तो वे उच्च अधिकारियों से मिलकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं पीडित पत्रकार ने साफ कहा है कि यदि दो दिनों के भीतर दरोगा सुनील यादव पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे कठोर कदम उठाने को बाध्य होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित दरोगा की होगी।देश में पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, लेकिन लगातार हो रही ऐसी घटनाएं पुलिस की कार्यक्षैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। पत्रकारों का कहना है कि अमद्रता करने वाले पुलिसकर्मियोंपर तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई हेमी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आया सामने, खूंखार अंदाज में दिखे शाहिद कपूरय 13 फरवरी रिलीज होगी फिल्म

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर कमीने जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है।विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे। अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके

हाथ पर बना टैटू और कई बेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं। ये शाहिद और विशाल की साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून साथ में कर चुके हैं। इनमें कमीने और हैदर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन्हें जमकर सराहा था। वहीं पिछली तीनों ही फिल्मों में विशाल भारद्वाज ने शाहिद को एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिखाया है। ऐसा लगता है कि एक बार फिर विशाल, कुछ अलग अंदाज में ही शाहिद को पेश करने वाले हैं।ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। जबकि फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में एक दमदार स्टारकास्ट नजर आएगी, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस भारी भरकम स्टारकास्ट में शाहिद कपूर के अलावा नाना पाटेकर, तुष्टि डिमरी, अविनाश तिवारी, विक्रान्त मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल जैसे दिग्गज कलाकार शामिल



हैं। फिलहाल अभी तक नहीं आई है। अब दर्शकों को 13 फरवरी का इंतजार है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेगास्टार चिरंजीवी और वेंकटेश फिल्म की मन शंकर वर प्रसाद गारु का ट्रेलर रिलीज, 12 जनवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मेगास्टार चिरंजीवी और विकट्री वेंकटेश अभिनीत फिल्म माना शंकरा वर प्रसाद गारु का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी हो चुका है और यह उम्मीदों पर खरा उतर रहा है। हिट मशीन अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित यह फिल्म त्योहारों के मौसम में दर्शकों को खूब पसंद आने का वादा करती है और इसके जोरदार प्रचार अभियान ने इसे चर्चा में बनाए रखा है।ट्रेलर में चिरंजीवी की हास्यप्रद भूमिका दिखाई गई है, जो प्रशंसकों को याद दिलाती है कि उन्हें मेगास्टार क्यों कहा जाता है। वेंकटेश के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार है, और नयनतारा पारंपरिक पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फिल्म का निर्माण उत्कृष्ट है, जिसमें स्टाइलिश दृश्य और एक नॉस्टैल्जिक बैकग्राउंड स्कोर शामिल है।माना शंकरा वर प्रसाद गारु, शंकरा वर प्रसाद की कहानी है, जो एक पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंट हैं और अब एक पारिवारिक व्यक्ति बन गए हैं। उनके खुशहाल जीवन में भी मुश्किलें आती हैं। फिल्म में मनोरंजन और एक्शन का बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन बनाता है। चिरंजीवी के पुराने अंदाज, अनिल रविपुडी की कॉमेडी और वेंकटेश की दमदार उपस्थिति के साथ, यह फिल्म संक्रांति के मौके पर एक शानदार तोहफा साबित होने वाली है। कलाकारों का दमदार अभिनय देखने को मिलता है, सचिन खेडेकर ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलकर अभिनय किया है। समीर रेड्डी के दृश्य और भीम्स सेंसोरिलियो का संगीत फिल्म की भव्यता को और बढ़ाते हैं। एएस. प्रकाश का प्रोडक्शन डिजाइन फिल्म की दुनिया को बखूबी जीवंत कर देता है। श्मएसजीथ फिल्म 12 जनवरी को वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए तैयार है।



कार्तिक आर्यन की नागजिला में नहीं होगी जल्दबाजी, करण जौहर रखेंगे फूंक-फूंककर कदम

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। धुरंधर की सफलता से बिना डरे निर्माता करण जौहर ने इसे सिनेमाघरों में उतारा था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। फिलहाल कार्तिक और करण अगली फिल्म नागजिला के लिए साथ जुटे हैं जिसकी घोषणा हो चुकी है। अपडेट है कि 14 अगस्त को रिलीज होने वाली यह फिल्म कुछ समय के लिए टल सकती है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माता नागजिला की रिलीज तारीख को आगे खिसकाने पर विचार कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि तू मेरी मैं तेरा... के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह कदम उठाया जा सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक, नागजिला की शूटिंग अभी जारी है। एक सूत्र ने कहा, शूटिंग कुछ दिनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह ऐसी फिल्म है जिसमें वीएफएक्स का भरपूर इस्तेमाल है। नतीजतन, पोस्ट-प्रोडक्शन में काफी समय लगेगा।रिपोर्ट के मुताबिक, करण और कार्तिक दोनों ही पोस्ट प्रोडक्शन में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। उन्हें पता है कि नागजिला बहुत खास फिल्म है। इसे सिनेमाघरों में उतारने से पहले ठीक तरह से तैयार करना जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माता फिल्म के लिए नई रिलीज तारीख की तलाश कर रहे हैं। तारीख तय होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। नागजिला का निर्देशन फुकुरे फ्रैंचाइजी वाले मुगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।



अलीशा पंवार ने बताई सच्चे प्यार की परिभाषा, कहा- शुरुआत भरोसे से होती है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अलीशा पंवार जल्द ही वेब सीरीज विन्नी की किताब में नजर आएंगी। यह सीरीज हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में अभिनेत्री विन्नी की भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में अलीशा पंवार ने बातचीत में किरदार और कहानी को लेकर विचार व्यक्त किए। जब अलीशा से पूछा गया, इस सीरीज को आपने हां क्यों कहा? उन्होंने कहा, मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी थी। यह सीरीज एक आम औरत की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाती है कि किस तरह से वह मुश्किलों में टूटती है, फिर संभलती है, और दोबारा मजबूती से खड़ी हो जाती है। अलीशा ने आगे कहा, हर लड़की खुद को विन्नी में कहीं-न-कहीं जरूर देखेगी। हमारा समाज हमेशा से ही औरतों को कैद करके रखने की कोशिश करता है कि लोग क्या कहेंगे, कोई गलत समझ लेगा, जबकि गलती उसकी होती ही नहीं। इस सीरीज में यह मजबूत संदेश है



कि औरत चाहे किसी भी उम्र की हो, शादीशुदा हो या फिर सिंगल, वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और खुश रह सकती है। अभिनेत्री से पूछा गया, क्या आपको कभी असल जिंदगी में धोखा मिला है?

कम हैं, सिर्फ हम दो-तीन लोग। अगर कभी कोई गलत करे, तो सीधा मुंह पर मारो और आगे बढ़ जाओ। अभिनेत्री ने आगे प्यार की परिभाषा बताते हुए कहा, मेरे लिए प्यार की शुरुआत भरोसे से होती है कि अगर मैं किसी से साथ हूं, तो उस पर आंख बंद करके भरोसा कर सकूं और वही सच्चा प्यार ही होता है। अभिनेत्री ने कहा, जब आप विन्नी की किताब देखेंगे तो विन्नी की हर खुशी और उसके दर्द को महसूस करेंगे। हमने भी इस पर पूरे लगन और मेहनत से काम किया है। उम्मीद है कि सीरीज सभी को पसंद आएगी।

धुरंधर का जादू बाक्स आफिस पर बरकरार, रणवीर सिंह ने बनाया नया रिकार्ड, सुस्त पड़ी इक्कीस

सिनेमाघरों में आज प्रभास की मच अवेटेड श्द राजा साब्य दस्तक दे रही है। लेकिन अब तक बॉक्स ऑफिस पर श्चुरंधरय और श्दक्कीसच बनी हुई हैं। हालांकि, एक ओर जहां श्चुरंधरय 35 दिन बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबरस हासिल कर रही है। अब 35वें दिन गुरुवार को भी धुरंधर ने 4.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस तरह से सैकनिल्क के मुताबिक, श्चुरंधरय का कुल कलेक्शन 790.25 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हालांकि, मेकर्स का ऐसा दावा है कि फिल्म 800 करोड़ रुपए के कलेक्शन को भी पार कर चुकी है। अगस्त्य नंदा की पहली थिएटर रिलीज और धर्मेन्द्र की आखिरी फिल्म श्दक्कीसच सिनेमाघरों में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। अब अपने आठवें दिन गुरुवार को श्दक्कीसच ने 1.35 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 25.60 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है।श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित श्दक्कीसच भारत के सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। फिल्म में अगस्त्य नंदा ने अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाई है। वहीं दिवंगत अभिनेता धर्मेन्द्र की ये आखिरी फिल्म है। फिल्म में धर्मेन्द्र अरुण खेत्रपाल के पिता की भूमिका में नजर आए हैं। एक ओर जहां ये दो बॉलवुड फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल रही हैं। वहीं दूसरी ओर हॉलीवुड फिल्म श्दवताररु फायर एंड रेश्शेय भी बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है। अब 21वें दिन गुरुवार को श्दवताररु फायर एंड रेश्शेय 1.24 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इस तरह से फिल्म का कुल कलेक्शन 179.74 करोड़ रुपए हो गया है।



बच्चों के लिए डांस है एक बेहतरीन एक्सरसाइज, जानिए इसके 5 फायदे

बच्चों के लिए डांस करना न केवल एक मजेदार गतिविधि है, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। डांस से बच्चे न केवल फिट रहते हैं, बल्कि उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में टीम वर्क की भावना विकसित होती है और वे नए कौशल सीखते हैं। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए डांस कैसे फायदेमंद हो सकता है।शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने में है मददगारडांस एक ऐसी गतिविधि है, जो बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रि रखती है। यह न केवल उनकी मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि उनके शरीर की लचीलापन और संतुलन भी सुधारता है। नियमित रूप से डांस करने वाले बच्चे अधिक ऊर्जा से भरे होते हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है। इसके अलावा डांस से कैलोरी की खपत होती है, जिससे बच्चे फिट और स्वस्थ रहते हैं। डांस के माध्यम से बच्चों की सहनशक्ति भी बढ़ती है।मानसिक स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंदडांस बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। जब बच्चे डांस करते हैं तो वे खुश महसूस करते हैं और उनकी चिंता कम होती है। डांस करने से बच्चों का ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे उनकी पढ़ाई में भी सुधार होता है। इसके अलावा डांस से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने विचारों को बेहतर

तरीके से व्यक्त कर पाते हैं।।सामाजिक कौशल को सुधारने में है सहायकडांस एक समूह गतिविधि होती है, जिसमें कई लोग मिलकर नाचते हैं। इससे बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित होते हैं क्योंकि वे टीम वर्क करना सीखते हैं। वे दूसरों के साथ मिलकर काम करना और सहयोग करना भी सीखते हैं। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है और वे दूसरों का मार्गदर्शन करना सीखते हैं। इस प्रकार डांस बच्चों को सामाजिक रूप से सक्षम बनाता है।अनुशासन सिखाने में है मददगारडांस करने के लिए नियमित अभ्यास और अनुशासन जरूरी होता है, जो बच्चों में समय प्रबंधन की भावना विकसित करता है। वे सीखते हैं कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत और नियमितता कितनी अहम होती है। इसके अलावा डांस करते समय बच्चों को अपने शरीर की सुननी पड़ती है और वे अपने आंदोलनों पर नियंत्रण पाना

सीखते हैं। रचनात्मकता को बढ़ावा देने में है मददगार डांस बच्चों की रचनात्मकता को उजागर करने का एक बेहतरीन तरीका है। जब बच्चे अलग-अलग शैलियों में नाचते हैं तो वे नए विचारों को अपनाना सीखते हैं और अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी विकसित होती है और वे समस्याओं का समाधान करने में अडि।क सक्षम होते हैं। इस प्रकार डांस न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान भी बनाता है।

पेंटिंग करते समय न करें ये 5 गलतियां, कला को कर सकती हैं प्रभावित

पेंटिंग एक कला है, जो न केवल घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि मन को भी सुकून देती है। हालांकि, पेंटिंग करते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो आपके काम को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे बचना चाहिए।सही रंग का चुनाव न करनापेंटिंग करते समय सबसे जरूरी कदम सही रंग का चुनाव करना होता है। कई लोग बिना सोचे-समझे ही किसी भी रंग को चुन लेते हैं, जिससे बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। सही रंग चुनने के लिए पहले अपने कमरे की रोशनी, आकार और फर्नीचर का ध्यान रखें। इसके अलावा कमरे की दीवारों पर अलग-अलग रंगों का परीक्षण करें ताकि आपको पता चले कि कौन सा रंग आपके कमरे के लिए बेहतर रहेगा।बेस कोट का उपयोग न करनापेंटिंग से पहले बेस कोट लगाना बहुत जरूरी होता है। कई लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पेंटिंग जल्दी उतरने लगती है और उसका असर कम होता है। बेस कोट लगाने से दीवारों की सतह चिकनी हो जाती है और रंग अच्छे से चिपकता है। इसके अलावा यह रंग को समान रूप से फैलाने में मदद करता है। सही तरीके से बेस कोट लगाने पर आपकी पेंटिंग लंबे समय तक टिक सकती है।ब्रश या रोलर का गलत उपयोग करना पेंटिंग करते समय ब्रश या रोलर का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। कई लोग गलत आकार या प्रकार के ब्रश या रोलर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे काम अधूरा लगता है या अच्छी तरह नहीं होता। सही आकार और प्रकार का ब्रश या रोलर चुनने पर आपकी पेंटिंग साफ-सुथरी और पेशेवर जैसी दिखेगी। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग करने से आपको कम समय में बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपका काम ज्यादा सुंदर दिखेगा।किनारों पर ध्यान न देनापेंटिंग करते समय अक्सर किनारों पर ध्यान नहीं दिया जाता, जिससे पूरा काम बेढंगा लगता है। किनारों को साफ-सुथरा बनाने के लिए टेप का इस्तेमाल करें ताकि रंग बाहर न फैले और दीवारें अच्छी दिखें। इसके अलावा टेप लगाने से आपको एक स्पष्ट और पेशेवर जैसा फिनिश मिलेगा, जिससे आपकी पेंटिंग और भी आकर्षक लगेगी। इस तरह से आपके कमरे की दीवारें साफ-सुथरी और सुंदर दिखेंगी, जिससे पूरा कमरा नया सा लगेगा।सही मौसम का चुनाव न करनापेंटिंग करते समय मौसम का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। बारिश या अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में पेंटिंग करना सही नहीं होता क्योंकि इससे रंग जल्दी सूख नहीं पाता या खराब हो जाता है। सबसे अच्छा समय वसंत या पतझड़ का मौसम होता है जब नमी कम होती है और तापमान भी अनुकूल रहता है। इस तरह आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं।

हैप्पी पटेल का पहला गाना बंदा तेरे लिए जारी, नए साल के जश्न को दोगुना करने आए वीर दास

अमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म हैप्पी पटेल रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था जिसने लोगों का साकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की है। अब फिल्म का पहला गाना बंदा तेरे लिए जारी किया गया है, जो नए साल 2026 के जश्न को दोगुना करने का वादा करता है। दिलचस्प ये है कि डांस नंबर जैसे दिखने वाले इस गाने को आधुनिक अंदाज में पेश किया गया है। निर्माताओं ने मजेदार तरीके से बंदा तेरे लिए की झलक पेश की है। कैप्शन दिया, शर्माजी का लड़का भी नाचेगा। गाने में वीर दास का बिल्कुल अलग अंदाज दिखाई दे रहा है, जो बार में एक लड़की को रिश्ताने की कोशिश कर रहे हैं। गायक ऐश किंग और अजय जयंती ने गाने को आवाज दी है। कॉमेडियन वीर की जासूसी-कॉमेडी फिल्म हैप्पी पटेल 16 जनवरी, 2026 को रिलीज हो रही है। फिल्म में मोना सिंह और इमरान खान भी हैं।

